



名家评点

聊

斋志异

上卷

韩欣
编著
原署
但明伦
等
评点
何守奇

天津古籍出版社

图书在版编目(CIP)数据

名家评点聊斋志异/韩欣主编—天津:天津古籍出版社,2008.1

ISBN 978-7-80696-472-9

I. 名... II. 韩... III. ①笔记小说—中国—清代②聊斋志异—文学评论 IV. I242.1 I207.419

中国版本图书馆CIP数据核字(2007)第183423号

名家评点聊斋志异

主 编 韩 欣

原 著 蒲松龄

评 点 何守奇 但明伦等

出版社:天津古籍出版社

(天津市西康路35号 邮编300051)

印 刷:北京楠萍印刷有限责任公司

经 销:全国新华书店经销

开 本:850×1168毫米 1/16

印 张:75.5

字 数:1617千字

版 次:2008年1月第1版

印 次:2008年1月第1次印刷

书 号:ISBN 978-7-80696-472-9

定 价:126.00元(全二卷)

前 言

《聊斋志异》是一部文言短篇小说集，作者蒲松龄。

蒲松龄（1640～1715），字留仙，山东淄川人。生活在民族矛盾和阶级矛盾空前尖锐的明末清初。出身小地主小商人家庭，在科举场中很不得意，满腹实学，屡不中举，到了71岁，才考得了贡生。他牢骚满腹，便在聊斋写他的志异。

《聊斋志异》共有短篇小说431篇。其内容大致有四部分：一、怀着对现实社会的愤懑情绪，揭露、嘲讽贪官污吏、恶霸豪绅贪婪狠毒的嘴脸，笔锋刺向封建政治制度。这类作品以《促织》、《席方平》、《商三官》、《向杲》等篇最有代表性。二、蒲松龄对腐朽的科举制度有切身的体会，通过《司文郎》、《考弊司》、《书痴》等篇，作者无情地揭开了科举制度的黑幕，勾画出考官们昏庸贪婪的面目，剖析了科举制度对知识分子灵魂的禁锢与腐蚀，谴责了考场中营私舞弊的风气。三、对人间坚贞、纯洁的爱情及为了这种爱情而努力抗争的底层妇女、穷书生子以衷心的赞美。代表篇章有《鸦头》、《细侯》等。《聊斋志异》中还有相当多狐鬼精灵与人的恋爱故事，颇具浪漫情调。在这些故事里，塑造了很多容貌美丽、心灵纯洁的女性形象，如红玉、婴宁、香玉、青凤、娇娜、莲香等。四、有些短篇是阐释伦理道德的寓意故事，具有教育意义，如《画皮》、《崂山道士》等。

《聊斋志异》是一部积极浪漫主义作品。它的浪漫主义精神，主要表现在对正面理想人物的塑造上，特别是表现在由花妖狐魅变来的女性形象上。另外，也表现在对浪漫主义手法的运用上。作者善于运用梦境和上天入地、虚无变幻等大量虚构情节，冲破现实的束缚，表现自己的理想，解决现实中无法解决的矛盾。

《聊斋志异》在作者生前没有刊刻的机会，其初刻本即赵起杲、鲍廷博编刻的青柯亭本风行天下，已是作者身后半个世纪的事情了，时为乾隆三十一年（1766）。在此之前，《聊斋志异》的传播是以抄本的形式进行的，流传至今者有康熙抄本（山东省博物馆藏）、雍正间抄本即《异史》本（北京中国书店藏）、乾隆间铸雪斋抄本（北京大学图书馆藏）、乾隆间黄炎熙抄本（四川大学图书馆藏），乾隆间二十四卷抄本（山东人民出版社藏）等等。这些抄本收文多寡不一，分卷或分册情况也多不同，文字歧异则各有专长。之所以会有诸多不同，皆因各抄本所遵祖本不同之故。抄本之外，刻本也并非只有青柯亭本一家，比青柯亭本稍迟一年即有王金范刻本，因当时交通不便，刊于南方的青本尚未及传到北方，所以王本一度以《聊斋志异》的第一刻本自居。与王金范本刊于同年者尚有乾隆三十二年（1767）闽上洋李时宪刻本，传世极稀，系翻刻青柯亭本者。乾隆六十年（1795）又有步云阁刻本问世，仍节选青本，讹误较多。即使是青柯亭本，因初刻、重刻之不同，篇目及文字也小有差异。

《聊斋志异》的评本或注本，流行于清代中晚期。如道光三年（1823）经纶堂何守

奇评本、道光五年（1825）观左堂刻吕湛恩注本、道光十九年（1839）南陵何彤文刻何垠注本、道光二十二年（1842）广顺但氏刻但明伦评朱墨套印本、光绪十七年（1891）合阳喻焜刻四家合评三色套印本（首次汇刻王士禛、冯镇峦、何守奇、但明伦四家评语于一书）等等，各有特点。后又出现了方舒岩与王芑孙两家评语的汇评本《聊斋志异》，共约 230 余则评语。

《名家评点〈聊斋志异〉》以青柯本为底本，同时参校铸雪斋抄本，并参考多家清代注评本，兼容包蓄，首次汇集了但明伦、何守奇、王士禛、冯镇峦、王芑孙、方舒岩等多位名家的评语，力图将各位名家对《聊斋志异》之心语全面清晰地再现，以便读者能真正地解读。

目 录

高 序 1

唐 序 2

聊斋自志 3

 考城隍 4

 耳中人 7

 尸 变 8

 喷 水 11

 瞳人语 12

 画 壁 15

 山 魁 19

 吹 鬼 20

 捉 狐 21

 夜中怪 22

 宅 妖 23

 王六郎 25

 偷 桃 28

 种 梨 30

 劳山道士 33



长清僧 35

蛇 人 38

斫 蟒 40

犬 奸 41

鬼 神 42

狐 嫁 女 43

娇 娜 47

僧 孽 52

妖 术 53

野 狗 56

三 生 57

狐 入 瓶 60

鬼 哭 61

真定女 62

燕 嫫 63

叶 生 64

四十千 68

成 仙 69

新 郎 74



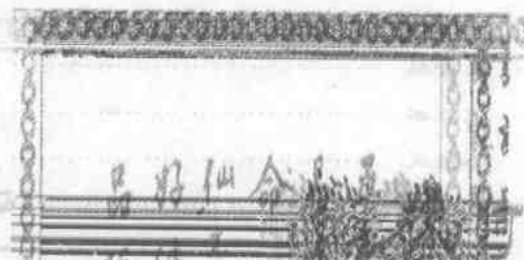


| | | | |
|------------|-----|------------|-----|
| 灵官 | 75 | 耿十八 | 135 |
| 王兰 | 76 | 珠儿 | 137 |
| 鸾虎神 | 78 | 小官人 | 140 |
| 王成 | 79 | 胡四姐 | 141 |
| 青凤 | 84 | 祝翁 | 144 |
| 画皮 | 88 | 猪婆龙 | 145 |
| 贾儿 | 92 | 某公 | 146 |
| 蛇癖 | 95 | 快刀 | 147 |
| 金世成 | 96 | 侠女 | 149 |
| 董先 | 97 | 酒友 | 154 |
| 乾石 | 101 | 莲香 | 156 |
| 庙鬼 | 102 | 阿宝 | 164 |
| 陆判 | 103 | 九山王 | 169 |
| 晏宁 | 108 | 造化屠狐 | 172 |
| 聂小倩 | 116 | 张诚 | 173 |
| 义鼠 | 121 | 汾州狐 | 178 |
| 地震 | 122 | 巧娘 | 179 |
| 海公子 | 123 | 吴令 | 184 |
| 丁前溪 | 124 | 口技 | 185 |
| 张老相公 | 127 | 狐联 | 187 |
| 水莽草 | 128 | 滩水狐 | 188 |
| 造畜 | 131 | 红玉 | 191 |
| 风阳士人 | 132 | 龙 | 196 |



| | |
|------|-----|
| 林四娘 | 197 |
| 江中 | 200 |
| 鲁公女 | 201 |
| 道士 | 205 |
| 胡氏 | 207 |
| 戏术 | 210 |
| 丐僧 | 211 |
| 伏狐 | 213 |
| 蛰龙 | 214 |
| 茶仙 | 216 |
| 李伯言 | 217 |
| 黄九郎 | 219 |
| 金陵女子 | 224 |
| 汤公 | 225 |
| 阎罗 | 227 |
| 连琐 | 228 |
| 单道士 | 233 |
| 白于玉 | 234 |
| 夜叉国 | 239 |
| 小僧 | 244 |
| 西僧 | 245 |
| 老婆 | 247 |
| 连城 | 250 |

| | |
|------|-----|
| 霍生 | 255 |
| 汪士秀 | 256 |
| 高三官 | 259 |
| 于江 | 261 |
| 小二 | 263 |
| 庚娘 | 268 |
| 宫梦弼 | 273 |
| 鸬鹚 | 278 |
| 刘海石 | 279 |
| 谪鬼 | 282 |
| 泥鬼 | 283 |
| 梦别 | 285 |
| 犬灯 | 286 |
| 番僧 | 287 |
| 狐妾 | 288 |
| 雷曹 | 292 |
| 赌符 | 296 |
| 阿霞 | 298 |
| 李司塾 | 302 |
| 五段大夫 | 303 |
| 毛狐 | 304 |
| 翩翩 | 306 |





| | | | |
|------------|-----|------------|-----|
| 黑 兽 | 310 | 白莲教 | 385 |
| 余 魂 | 311 | 双 灯 | 386 |
| 杨千总 | 314 | 捉鬼射狐 | 387 |
| 瓜 异 | 315 | 赛偿债 | 388 |
| 青 梅 | 316 | 头 滚 | 390 |
| 罗刹海市 | 322 | 鬼作筵 | 391 |
| 田七郎 | 329 | 胡四相公 | 394 |
| 产 龙 | 333 | 念 秧 | 397 |
| 保 住 | 334 | 蛙 曲 | 403 |
| 公孙九娘 | 336 | 泥书生 | 404 |
| 促 织 | 341 | 土地夫人 | 405 |
| 柳秀才 | 346 | 寒月芙蓉 | 406 |
| 水 灾 | 347 | 阳武侯 | 408 |
| 诸城某甲 | 348 | 酒 狂 | 411 |
| 床 官 | 349 | 赵城虎 | 415 |
| 鄆都御史 | 350 | 螳螂捕蛇 | 416 |
| 龙无目 | 352 | 武 技 | 417 |
| 狐 谐 | 353 | 小 人 | 420 |
| 雨 钱 | 357 | 秦 生 | 421 |
| 委击贼 | 358 | 鸩 头 | 422 |
| 驱 怪 | 360 | 酒 虫 | 427 |
| 姊妹易嫁 | 362 | 木雕美人 | 428 |
| 续黄粱 | 366 | 封三娘 | 429 |
| 龙取水 | 372 | 狐 梦 | 434 |
| 小猎犬 | 373 | 布 容 | 437 |
| 棋 鬼 | 375 | 农 人 | 438 |
| 辛十四娘 | 378 | 章阿端 | 440 |

| | | | |
|-------------|-----|------------|-----|
| 傅佻姐 | 444 | 郭 生 | 489 |
| 金永年 | 445 | 金生色 | 492 |
| 花姑子 | 446 | 彭海秋 | 496 |
| 武孝廉 | 451 | 塔 奥 | 499 |
| 西湖主 | 453 | 窦 氏 | 501 |
| 孝 子 | 458 | 塔 彦 | 504 |
| 狮 子 | 459 | 龙 肉 | 505 |
| 阎 王 | 460 | 魁 星 | 507 |
| 土 偶 | 463 | 马介甫 | 508 |
| 长治女子 | 464 | 谿 令 | 515 |
| 义 犬 | 466 | 库将军 | 516 |
| 鄱阳神 | 467 | 绛 妃 | 517 |
| 伍秋月 | 469 | 河间生 | 520 |
| 莲花公主 | 471 | 云翠仙 | 522 |
| 绿衣女 | 475 | 跳 神 | 526 |
| 蔡 氏 | 476 | 铁布衫法 | 529 |
| 荷花三娘子 | 478 | 大力将军 | 530 |
| 骂 鸭 | 482 | 白莲教 | 532 |
| 柳氏子 | 483 | 甄 氏 | 533 |
| 上 仙 | 486 | 杜 翁 | 537 |
| 侯爵山 | 487 | 小 谢 | 538 |
| 钱 流 | 488 | 缢 鬼 | 543 |





吳門画工 544

林氏 545

胡大姑 548

细侠 549

狼 551

美人首 554

刘亮采 555

蕙芳 556

山神 558

萧七 560

乱高 563

拳蛇 565

雷公 567

菱角 568

俄鬼 570

考辨司 573

阎罗 575

大人 576

向景 578

董公子 580

周三 582

鸽异 583

辰政 587

冷生 589

孤慈淫 592

山市 593

江城 595

孙生 602

八大王 604

戏雌 609

刘姓 610

邵女 613

孔仙 620

二高 625

罗祖 628

沂水秀才 630

梅女 631

郭秀才 635

死僧 636

阿英 638

橘村 642

牛成章 644

赤字 646

青娥 647

镜听 653

牛瘟 654

| | |
|------|-----|
| 金姑夫 | 656 |
| 梓潼令 | 657 |
| 鬼津 | 658 |
| 仙人岛 | 659 |
| 阎罗殿 | 666 |
| 颖道人 | 668 |
| 胡四娘 | 671 |
| 僧木 | 675 |
| 禄教 | 676 |
| 柳生 | 677 |
| 冤狱 | 681 |
| 鬼令 | 684 |
| 甄后 | 685 |
| 宦娘 | 688 |
| 阿绣 | 691 |
| 杨遮眼 | 696 |
| 小翠 | 697 |
| 金和尚 | 703 |
| 龙戏珠 | 707 |
| 商妇 | 708 |
| 阎罗妻 | 709 |
| 役鬼 | 710 |
| 细柳 | 712 |
| 画马 | 717 |
| 局诈 | 718 |
| 又 | 718 |
| 又 | 719 |
| 放蝶 | 723 |
| 男生子 | 724 |
| 狸生 | 725 |
| 鬼妻 | 728 |
| 黄将军 | 729 |
| 三朝元老 | 730 |
| 医木 | 732 |
| 藏鼠 | 734 |
| 梦狼 | 735 |
| 夜明 | 738 |
| 夏雪 | 740 |



| | |
|------|-----|
| 化男 | 741 |
| 禽俠 | 742 |
| 鴻 | 743 |
| 象 | 744 |
| 負尸 | 745 |
| 紫花和尚 | 747 |
| 周克昌 | 748 |
| 蝴蝶 | 749 |

| | | | |
|-----|-----|-----|-----|
| 鞠药如 | 755 | 张贡士 | 828 |
| 褚生 | 756 | 丐仙 | 830 |
| 盗户 | 759 | 爱奴 | 832 |
| 某乙 | 761 | 单父宰 | 836 |
| 霍女 | 763 | 孙此振 | 837 |
| 司文郎 | 768 | 邑人 | 839 |
| 丑狐 | 774 | 元宝 | 840 |
| 吕无病 | 776 | 研石 | 841 |
| 钱卜巫 | 781 | 武夷 | 842 |
| 姚安 | 783 | 大鼠 | 843 |
| 采薇翁 | 785 | 张不量 | 845 |
| 崔猛 | 786 | 牧竖 | 846 |
| 涉谏 | 791 | 富翁 | 847 |
| 鹿衔草 | 793 | 王司马 | 848 |



| | | | |
|-----|-----|-----|-----|
| 小箱 | 794 | 岳神 | 849 |
| 邢子仪 | 795 | 小梅 | 851 |
| 李生 | 797 | 药僧 | 856 |
| 陆押官 | 799 | 于中丞 | 857 |
| 蒋太史 | 801 | 皂隶 | 859 |
| 邵士梅 | 803 | 绩女 | 860 |
| 顾生 | 804 | 红毛毡 | 863 |
| 陈锡九 | 806 | 抽肠 | 864 |
| 邵临淄 | 811 | 张鸿渐 | 865 |
| 于去恶 | 812 | 太医 | 870 |
| 狂生 | 818 | 牛飞 | 871 |
| 滋俗 | 819 | 王子安 | 872 |
| 凤仙 | 820 | 刁姪 | 874 |
| 佟客 | 825 | 农妇 | 875 |
| 辽阳军 | 827 | 金陵乙 | 877 |

| | |
|------|-----|
| 郭安 | 878 |
| 折狱 | 879 |
| 义犬 | 883 |
| 杨大洪 | 884 |
| 查牙山洞 | 885 |
| 安湖岛 | 887 |
| 沉俗 | 889 |
| 云萝公主 | 890 |

| | |
|-----|-----|
| 席方平 | 941 |
| 素秋 | 946 |
| 贾奉雉 | 952 |
| 胭脂 | 958 |
| 阿纤 | 964 |
| 瑞云 | 967 |
| 仇大娘 | 970 |
| 曹操家 | 977 |



| | |
|-----|-----|
| 鸟语 | 897 |
| 天宫 | 898 |
| 赤女 | 902 |
| 蛤 | 904 |
| 刘夫人 | 905 |
| 陵县狐 | 910 |
| 附记 | 910 |
| 王货郎 | 912 |
| 墨龙 | 914 |
| 真生 | 915 |
| 布商 | 917 |
| 彭二抄 | 919 |
| 何仙 | 920 |
| 牛同人 | 923 |
| 神女 | 924 |
| 湘裙 | 930 |
| 三生 | 934 |
| 长亭 | 936 |

| | |
|--------|------|
| 尤飞相公 | 978 |
| 珊瑚 | 982 |
| 五通 | 987 |
| 又 | 989 |
| 申氏 | 991 |
| 恒娘 | 995 |
| 葛巾 | 999 |
| 黄英 | 1004 |
| 书痴 | 1008 |
| 齐天大圣 | 1012 |
| 附录 | 1013 |
| 青蛙神 | 1015 |
| 青蛙神(又) | 1019 |
| 任秀 | 1021 |
| 冯木匠 | 1024 |
| 晚霞 | 1025 |
| 白秋练 | 1029 |
| 王塔 | 1034 |

| | | | |
|------|------|------|------|
| 某甲 | 1037 | 杜小雷 | 1116 |
| 衢州三怪 | 1038 | 毛大福 | 1117 |
| 拆楼人 | 1039 | 魁神 | 1119 |
| 大锡 | 1041 | 李八缸 | 1120 |
| 陈云栢 | 1042 | 老龙船户 | 1123 |
| 司礼吏 | 1048 | 青城妇 | 1125 |
| 蚰蜒 | 1049 | 鸱鸟 | 1126 |
| 司训 | 1050 | 古瓶 | 1128 |
| 黑鬼 | 1051 | 元少先生 | 1130 |
| 织成 | 1053 | 薛魁娘 | 1131 |
| 竹青 | 1056 | 田子成 | 1135 |
| 段氏 | 1060 | 王桂庵 | 1137 |
| 狐女 | 1062 | 睿生 | 1141 |
| 张氏妇 | 1063 | 周生 | 1145 |
| 于子游 | 1064 | 褚遂良 | 1147 |
| 男妾 | 1065 | 刘全 | 1149 |
| 汪可受 | 1066 | 土化兔 | 1151 |
| 牛犊 | 1068 | 乌使 | 1152 |
| 王大 | 1069 | 姬生 | 1153 |
| 乐仲 | 1073 | 果报 | 1156 |
| 番玉 | 1078 | 公孙夏 | 1157 |
| 三仙 | 1083 | 韩方 | 1161 |
| 鬼隶 | 1084 | 纫针 | 1163 |
| 王十 | 1085 | 桓侯 | 1167 |
| 大男 | 1088 | 粉蝶 | 1169 |
| 外国人 | 1091 | 李檀斯 | 1173 |
| 人妖 | 1092 | 锦瑟 | 1174 |
| 李公子 | 1095 | 太原狱 | 1178 |
| 石清虚 | 1097 | 新郑讼 | 1179 |
| 曾友于 | 1100 | 李象先 | 1181 |
| 嘉平公子 | 1105 | 房文淑 | 1182 |
| 二班 | 1107 | 秦裕 | 1184 |
| 车夫 | 1110 | 浙东生 | 1185 |
| 乩仙 | 1111 | 博兴女 | 1186 |
| 苗生 | 1113 | 一员官 | 1187 |
| 蝎客 | 1115 | 后记 | 1191 |

高序

志而曰异，明其不同于常也。然而圣人曰：“君子以同而异。”何耶？其义广矣，大矣。夫圣人之言，虽多主于人事，而吾谓三才之理，六经之文，诸圣之义，可一以贯之。则谓异之为义，即易之冒道，无可也。夫人但知居仁由义，克己复礼，为人君子矣；而陟降而在帝左右，祷祝而感召风雷，乃近于巫祝之说者，何耶？神禹创铸九鼎，而《山海》一经，复垂万世，岂上古圣人而喜语怪乎？抑争子虚乌有之赋心，而预为分道扬，鑿者地乎？后世拘墟之士，双瞳如豆，一叶迷由，目所不见，率以仲尼“不语”为辞，不知鸢飞石陨，是何人载笔尔也。倘概以左氏之诬蔽之，无异掩耳者高语无雷矣。引而伸之，即“闾阖九天，衣冠万国”之句，深山穷谷中人，亦以为欺我无疑也。余谓欲读天下之奇书，须明天下之大道。盖以人伦大道淑世者，吾人之所以为木铎也。然而天下有解人，则虽孔子之所不语者，皆足辅功令教化之所不及。而《诺皋》、《夷坚》，亦可与六经同功。苟非其人，则虽日述孔子之所常言，而皆足以佐愚。如读南子之见，则以为淫辟皆可周旋；泥佛胖之往，则以为叛逆不妨共事；不止《诗》、《书》发塚，《周官》资篡已也。彼拘墟之士多疑者，其言则未尝不近于正也。一则疑曰：政教自堪治世，因果无乃渺茫乎？曰：是也。然而阴鹭上帝，幽有鬼神，亦圣人之言否乎？彼彭生窥面，申生语巫，武墨宫中，田蚡枕畔，九幽斧钺，严于王章多矣。而世人往往多疑者，以报应之或爽，诚有可疑。即如圣门之士，贤雋无多，德行四人，二者夭亡；一厄继母，几乎同于伯奇。天道愤愤，一至此乎！是非远洞三世，不足消释群憾。释迎马麦，袁盎人疮，亦安能知之？故非天道愤愤，人自愤愤故也。或曰：报应示戒可矣，妖邪不宜黜乎？曰：是也。然而天地大矣，无所不有；古今变矣，未可舟胶。人世不皆君子，阴曹反皆正人乎？岂夏姬谢世，便侪共姜；荣公撤瑟，可参孤竹乎？有以知其必不然矣。且江河日下，人鬼颇同，不则幽冥之中，反是圣贤道场，日日唐虞三代，有是理乎？或又疑而且规之曰：异事，世固间有之矣，或亦不妨抵掌；而竟驰想天外，幻迹人区，无乃为《齐谐》滥觞乎？曰：是也。然子长列传，不厌滑稽；卮言寓言，蒙庄嚆矢。且二十一史果皆实录乎？仙人之议李郭也，固有遗憾久矣。而况勃宰文心，笔补造化，不止生花，且同炼石。佳狐佳鬼之奇俊也，降福既以孔皆，敦伦更复无斁，人中大贤，犹有愧焉。是在解人不为法缚，不死句下可也。夫中郎帐底，应饶子家之异味；郢侯架上，何须鬼册之常论？余愿为婆娑艺林者，职调人之役焉。古人著书，其正也，则以天常民彝为则，使天下之人，听一事，如闻雷霆；奉一言，如亲日月。外此而书或奇也，则新鬼故鬼，鲁庙依稀；内蛇外蛇，郑门踟蹰，非尽矫诬也。倘尽以“不语”二字奉为金科，则萍实、商羊、羴羊、桔失，但当摇首闭目而谢之足矣。然乎？否耶？吾愿读书之士，览此奇文，须深慧业，眼光如电，墙壁皆通，能知作者之意，并能知圣人或雅言、或罕言、或不语之故，则六经之义，三才之统，诸圣之衡，一一贯之。异而同者，忘其异焉可矣。不然，痴人每苦情深，人耳便多濡首。一字魂飞，心月之精灵冉冉；三生梦渺，牡丹之亭下依依。檀板动而忽来，桃菊遣而不去，君将为魍魉曹丘生，仆何辞齐谐鲁仲连乎？

康熙己未春日谷旦，紫霞道人高珩题。

